| | या कार्यवाही | |
|---|---|---|
| | 12/2/24 | मैं अब कोई कार्यवाही नहीं चाहता हूँ तथा प्रकरण को इसी स्तर पर विड्रॉ करना चाहता हूँ। अतः प्रा. पत्र स्वीकार फरमाया जाकर वाद विड्रॉ की अनुमति प्रदान की जावे<br>प्रार्थी द्वारा अपनी पहचान के सम्बन्ध में आधार कार्ड की स्वयं सत्यापित प्रति पेश की गई है<br>पत्रावली वास्ते उचित आदेश दिनांक 15/2/24 को पेश हो<br><br>उपखण्ड अधिकारी<br>जयपुर द्वितीय (सांगानेर) |
| | 15/2/24 | पत्रावली पेश हुई। प्रार्थी वादी उपस्थित। प्रार्थी वादी की बहस बाबत वाद विड्रॉ किए जाने के तथ्यों पर मनन किया व पत्रावली का अवलोकन किया गया।<br>चूँकि स्वयं प्रार्थी वादी द्वारा प्रा. पत्र बाबत वाद विड्रॉ किए जाने के प्रस्तुत कर वाद को आगे नहीं चलाना चाहकर वाद विड्रॉ की अनुमति चाहा गया है। अतः न्यायहित व लोक अदालत की भावना के दृष्टिगत प्रा. पत्र स्वीकार किया जाकर वाद वादी विड्रॉ के आधार पर खारिज किया जाता है। निर्णय सुनाया गया। पत्रावली फैसल शुमार होकर दर्ज नम्बर से कम हो। बाद तकमील दाखिल दफ्तर हो।<br><br>उपखण्ड अधिकारी<br>जयपुर द्वितीय (सांगानेर) |